अदरक की कीमतें 2400 रूपये प्रति कुन्तल से अधिक रहने की संभावना

पंतनगर। 12 मई, 2010। इस मौसम में अदरक की बुवाई करने की सोच रहे किसानों के लिए वैज्ञानिकों ने उनके उत्पाद के मिलने वाले मूल्य की भविष्यवाणी की है। इस वर्ष अदरक की खुदाई के समय इसकी कीमत 2400 से 3000 रूपये प्रति कुन्तल तक रहने की संभावना व्यक्त की गयी है। यह पूर्वानुमान पंतनगर विष्वविद्यालय के कृषि अर्थषास्त्र विभाग के प्राध्यापक, डा. जगदीष कुमार व सह–प्राध्यापक, डा. अनिल कुमार ने व्यक्त किया है। यह संभावना उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान की पंतनगर में चल रही राष्ट्रीय कृषि नवीयन परियोजना 'इसटैबिलिषिंग एण्ड नेटवर्किंग ऑफ एग्रीकल्चर मार्केट इनटैलिजैन्स सेन्टर्स इन इंडिया' के अंतर्गत किये गये सर्वेक्षण के आधार पर व्यक्त की है। इस परियोजना का एक मुख्य उद्‌देष्य मुख्य कृषि जिन्सों के लिए बुवाई से पूर्व एवं फसल कटाई के दौरान कीमतों का पूर्वानुमान करना है। परियोजना टीम ने डा. जगदीष कुमार के नेतृत्व में हल्द्वानी नियमित कृषि उत्पादन मण्डी समिति, जो उत्तराखण्ड की एक मुख्य मण्डी है, का बाजार सर्वेक्षण एवं पिछले 20 वर्षों की थोक कीमतों का विष्लेषण करने के पष्चात कीमतों का पूर्वानुमान लगाया है।

विष्लेषण द्वारा यह ज्ञात हुआ है कि अदरक की थोक कीमतें इस वर्ष सितम्बर में रू. 2400 से रू. 3000 प्रति कुन्तल के मध्य तथा अक्टूबर में रू. 2500 से रू. 3000 प्रति कुन्तल के मध्य रहने की संभावना है। जबकि नवम्बर में अदरक की थोक कीमतें रू. 2400 से रू. 2800 प्रति कुन्तल के मध्य तथा दिसम्बर में पुनः रू. 2400 से रू. 3000 प्रति कुन्तल के मध्य रहने की संभावना है। दूसरी ओर हल्द्वानी मण्डी के व्यापारियों के अनुसार इन महीनों में अदरक की थोक कीमतें रू. 2150 से रू. 2500 प्रति कुन्तल के मध्य रहने की संभावना है जो कि विष्लेषण द्वारा ज्ञात पूर्वानुमानों से कुछ कम है। वर्तमान सरकारी नीतियों एवं उपरोक्त विष्लेषण के आधार पर डा. कुमार ने अदरक की थोक कीमतें इस वर्ष सितम्बर से दिसम्बर के मध्य रू. 2400 से रू. 3000 प्रति कुन्तल के मध्य रहने की संभावना जतायी है। अतः जो किसान आने वाले मौसम में अदरक उगााना चाहते हों वे उपरोक्त पूर्वानुमानों एवं अन्य मौसम सम्बन्धी कारकों को ध्यान में रखते हुए अदरक की फसल के अंतर्गत उचित क्षेत्र का चयन करके अधिक लाभ उठा सकते हैं।

उत्तराखण्ड में अदरक मुख्यतयाः मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में उगाया जाता है। उत्तराखण्ड में अदरक के मुख्य उत्पादक जिले अल्मोड़ा, देहरादून, चंपावत एवं ऊधम सिंह नगर है तथा कुल अदरक उत्पादन का 55 प्रतिषत उत्पादन इन्हीं जिलों में होता है। हल्द्वानी मण्डी के व्यापारियों के अनुसार सितम्बर एवं अक्टूबर अदरक के मुख्य आवक के माह हैं। व्यापारियों ने इस वर्ष अदरक के अधिक उत्पादन की संभावना व्यक्त की है।

विष्व में अदरक के अंतर्गत 0.42 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्रफल है तथा उत्पादन 1.46 मिलियन टन है। अदरक के मुख्य उत्पादक देष भारत, चीन एवं इण्डोनेषिया हैं तथा उत्पादन के क्षेत्र में भारत का प्रथम स्थान है। भारत में अदरक का उत्पादन 0.37 मिलियन टन, चीन में 0.33 मिलियन टन तथा इण्डोनेषिया में 0.18 मिलियन टन है। सन 2008 में भारत में अदरक के अंतर्गत 10,59,000 हैक्टेयर क्षेत्रफल था तथा उत्पादन 0.37 मिलियन टन था। भारत में अदरक के मुख्य उत्पादक राज्य कर्नाटक, असम, मेघालय, केरल एवं अरूणाचल प्रदेष हैं।